राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र : २०२१-२२

वार्षिक आख्या प्रस्तुत

थीम ''कौशल विकास हेतु युवा''

सप्त दिवसीय विशेष शिविर - 09.03.2022 से 15.03.2022

एक दिवसीय कार्यक्रम – 01.12.2021, 05.12.2021, 26.01.2022, 20.02.2022

आवंटित इकाई

एक इकाई एवं आधा इकाई

रघुवीर महाविद्यालय

थलोई, भिखारीपुर कलॉ-जौनपुर

डॉ० विजय कुमार सिंह
व० कार्यक्रम अधिकारी

श्रीमती संजू शुक्ला
कार्यक्रम अधिकारी

डॉ० अवधेश कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य

सप्त दिवसीय
विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कलाँ जौनपुर (उ०प्र०)
असतो मा सद्गमय

इकाई प्रथम

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

प्रथम दिवस

दिनांकः 09.03.2022

आज दिनांकः 09.03.2022 को प्रातः 09:00 बजे **राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का शुभारम्भ** किया गया। सर्वप्रथम स्वयंसेविकाओं के द्वारा एन0एस0एस0 का लोगो बनाया गया। तत्पश्चात ध्वजारोहण की तैयारी की गयी।

शिविर का उद्वघाटन मुख्य अतिथि प्रधान श्री अमर बहादुर गौतम द्वारा किया गया। इस उद्घाटन समारोह में आये अन्य अतिथिगण, प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव (रघुवीर महाविद्यालय) एवं महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी, श्री शिवानन्द चतुर्वेदी (श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय), श्री जितेन्द्र कुमार सिंह (श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय) रहे।

मुख्य अतिथि के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर मार्ल्यापण एवं द्वीप प्रज्जवलित किया गया। हर्षिता यादव एवं स्वाती के द्वारा वन्दना एवं भक्तिगीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि जी ने कहा कि विशेष शिविर का उद्देश्य युवा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास एवं चरित्र का विकास करना है। सामाजिकता के अतिरिक्त चरित्र का निर्माण, व्यक्ति का सर्वांगीण विकास नागरिक और सामाजिक कर्तव्यों पर बल सामाजिक सुख और कौशल की उन्नति तथा राष्ट्रीय संस्कृति का संरक्षण और प्रसार करना है।

उद्घाटन सत्र के प्रथम दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने इस सप्त दिवसीय शिविर को सुचारु रुप से चलाने के लिए अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कहीं और स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को इस शिविर में सात दिनों तक जो कुछ भी सीखे उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय के प्रवक्ता श्री शिवानन्द चतुर्वेदी ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को सप्त दिवसीय शिविर में पूर्व मनोयोग के साथ कार्य करने की बात कहीं और साथ ही साथ यह भी बताया कि मिलजुल कर कार्य करने से सामाजिकता का भाव उत्पन्न होता है। जिससे हमारे अन्दर नैतिक बल की सृष्टि होती है और हमारा जीवन उत्तम होता है। स्वयंसेवको एवं स्वयंसेविकाओं के साथ महाविद्यालय के प्रवक्तागण के साथ स्वयं एक साथ साफ–सफाई का कार्य सम्पन्न किया गया। उनके द्वारा एक राष्ट्रीय सेवा योजना सम्बन्धित गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी डा0 विजय कुमार सिंह ने स्वयंसेवक एवं सेविकाओं को महाविद्यालय से शिविर स्थल ललिता टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टीच्यूट, रघुबीरनगर ले गये। जिसकी दूरी 1.00 कि0मी0 है जहॉ पैदल यात्रा आधे घंटे में तय की। तत्पश्चात वहां पहुचकर प्रांगण की साफ–सफाई की। कार्यक्रम अधिकारी *डॉ0 विजय कुमार सिंह* ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को बताया कि एन0एस0एस0 के द्वारा हम सामजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यो का संवर्धन कर सकते हैं। जिसके द्वारा हम अपने नैतिक बल की वृद्धि कर सकते है।

इस कार्यक्रम को करने के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं की टोली शिविर स्थल आयी और थोड़ी देर तक विश्राम किया। उसके बाद प्रथम दिवस के कार्यक्रम पर परिचर्चा हुई तथा सात दिन तक चलने वाले इस शिविर की रुप रेखा पर विचार किया गया तथा इकाई के लीडर का चयन किया गया । इसके उपस्थिती पंजिका पर हस्ताक्षर करवाये गये। इसके बाद सभी ने रात्रि भोजन ग्रहण किया तथा रात्रि 10:00 बजे शयन कक्ष में गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

उद्घाटन सत्र का प्रारम्भ करते हुए माननीय शिवानन्द चतुर्वेदी एवं खगेन्द्र मिश्र एवं अन्य।

ध्वजारोहण एवं एन0एस0एस0 लोगो को अवलोकन करते हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

द्वितीय दिवस दिनांकः 10.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। सर्वप्रथम प्रार्थना एवं योगाभ्यास कराया गया। सुबह 06:30 प्रातःकालीन बैठक हुई, जिसमें यूनिट लीडर ने प्रथम दिवस के कार्यक्रमों का अवलोकन किया। तत्पश्चात दूसरे दिन के कार्यक्रम पर चर्चा के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया। उसके बाद आज के कार्यक्रम की तैयारियों में लग गये।

प्रातः 08:00 बजे ललिता टीचर्स ट्रेनिंग इन्च्यूटीच्यूट में पहुँच कर स्वयंसेविकाओं ने साफ–सफाई का कार्य किया। वहां पर घास–फूस की कटाई–छटाई की गई। बिखरे हुए पालिथीन, कागज के टूकड़े जैसे अन्य खरपतवार को एकत्र करके दूर स्थित गढ्डे में डाला गया। उसके बाद आस–पास बस्ती में जाकर स्वच्छता का पाठ पढ़ाया गया। वहां पर साफ–सफाई की और पास में माता मंदिर एवं शिव मंदिर की साफ–सफाई भी की। मलीन बस्ती में जाकर ग्रामवासियों को स्वच्छता के महत्व पर बताया, कहा कि स्वच्छता हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। हर समय कोई सरकारी संस्था हमारे पीछे नहीं लगी रह सकती। हमें स्वयं की आदतों में सुधार करना होगा और स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। हालांकि आदतों में बदलाव करना आसान नहीं होगा लेकिन यह इतना मुश्किल भी नहीं है। स्वच्छ भारत का निर्माण सफलतापूर्वक कर सकते हैं। गांव के लोग स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं के विचारों को ध्यान से सुना और स्वच्छता के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी। शिविरार्थी नारे लगाते हुए चल रहे थे,

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

" वृक्ष धरा का भूषण है करना दूर प्रदूषण है।"

" कहते है ये वेद पुराण, एक वृक्ष दस पुत्र समान।"

"बापू का घर घर पहुचे संदेश, स्वच्छ और सुंदर हो अपना देश"

"गांधीजी के सपनों का भारत बनायेंगे, चारो तरफ स्वच्छता फैलायेंगे"

दोपहर 12:00 बजे तक स्वयंसेवको और स्वयंसेविकाओं शिविर स्थल पहुँचकर स्नान कर भोजन किया।

दोपहर बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रुप में **ग्राम प्रधान श्री अमर बहादुर गौतम** जी का स्वागत हुआ। ग्रामप्रधान जी का कार्यक्रम अधिकारी ने स्वागत किया, और स्वच्छता सम्बिधत जानकारी ली, ग्राम प्रधान जी ने कहा कि सफाई कर्मी हमारे गांव प्रतिदिन आते है, लेकिन उन्हें आप सब लोगो के सहयोग की आवश्यकता है, घरों से निकलने वाला यदि कूड़ा एक निश्चित स्थान पर फेंकें, तो सफाई कर्मी उसे गांव के बाहर ले जाकर गड्ढे में डाल देंगे। इस तरह थोड़े सहयोग से गांव स्वच्छ हो सकता है। प्राथमिक विद्यालय भिखारीपुर में शिविरार्थियों ने जाकर स्वच्छता सम्बन्धित जानकारी दी।

तत्पश्चात सभी स्वयंसेवक शिविर स्थल वापस आ गये और कार्यक्रम अधिकारी से स्वच्छता जागरुकता अभियान के सन्दर्भ के उठे तमाम सवालों का जवाब उन्होंने दिया इस कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान किया गया। सब ने चाय पी और क्रीडा स्थल पर खेल का आन्नद लिया। सायंकाल स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं के साथ समीतियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन हुआ। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम, उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं से कराया गया। स्वयंसेविकाओं की समूह ने खाना बनाने की तैयारी की वहीं दूसरी ओर स्वयंसेवको ने बैनर पोस्टर बनाया। रात्रि भोजन पकने के बाद एक साथ शिविरार्थियों ने भोजन किया। भोजनोपरान्त अगले दिन पर विचार किया गया तत्पश्चात सभी सोने हेतु शिविर स्थल चले गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

स्वच्छता जागरुकता रैली में शिविरार्थी।

बच्चों को स्वच्छता पर जानकारी देता हुआ शिविरार्थी।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

तृतीय दिवस दिनांकः 11.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। सर्वप्रथम प्रार्थना एवं योगाभ्यास कराया गया। सुबह 06:30 प्रातःकालीन बैठक हुई, जिसमें यूनिट लीडर ने विगत दिवस के कार्यक्रमों की रिपोर्ट पढ़ी। तत्पश्चात आज के कार्यक्रम पर चर्चा के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया। प्रातः 08:00 बजे स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने प्रा0 विद्यालय थलोई में शिक्षा के महत्व पर रैली को निकालने का निर्णय लिया और यह सुनिश्चित किया कि रैली विभिन्न गांव की मलिन बस्तियों में जाकर स्वयं साफ–सफाई का कार्यक्रम चलाएंगे तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करेंगे।

इकाई एक के छात्र थलोई प्रा0 विद्यालय में रुककर मलीन बस्ती में जाकर ग्रामवासियों को शिक्षा के महत्व पर विशेष जानकारी दी। बताया कि इसके लिए सामाजिक स्तर पर जागरूकता जरूरी है। उन्होंने अपने सम्भाषण में स्त्री शिक्षा पर विशेष बल दिया। कहा कि यदि नारी ही शिक्षित नहीं होगी तो वह न तो सफल गृहिणी बन सकेगी और न कुशल माता। माँ ही अशिक्षित होगी तो वह अपने बच्चों का सही मार्गदर्शन करके उनका मानसिक विकास कैसे कर पाएगी और एक स्वस्थ समाज का निर्माण एवं विकास सम्भव नहीं हो सकेगा। वर्तमान दौर में यह बात सर्व मान्य है कि स्त्री को भी उतना शिक्षित होना चाहिये जितना कि पुरुष हो। यह सिद्ध सत्य है कि यदि माता शिक्षित न होगी तो देश की सन्तानो का कदापि कल्याण नहीं हो सकता। पढ़ी लिखी गृहणी होगी तो पढ़ा–लिखा समाज भी होगा।

इसके पश्चात स्वयंसेवक एवं सेविकाओं दोपहर 12:30 बजे शिविर स्थल पर वापसी करके स्नान एवं भोजन ग्रहण करने के पश्चात विश्राम किया।

दोपहर 02:00 बजे संगोष्ठी हेतु एकत्रित हुए। आज का गोष्ठी का विषय **तकनीकि में युवाओं की भूमिका**। जिसमें मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित **श्री मयंक त्रिपाठी, श्री अमरनाथ मोही एवं श्री खगेन्द्र मिश्र उपस्थित रहे।** मुख्य वक्ता के रुप मे श्री मयंक त्रिपाठी ने कहा कि इस आधुनिक दुनिया में एक देश के लिए दूसरे देशों से मजबूत, ताकतवर और अच्छी तरह से विकसित होने के लिए विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में नए आविष्कार करना बहुत आवश्यक है। इस प्रतियोगी समाज में, हमें आगे बढ़ने और जीवन में सफल व्यक्ति बनने के लिए अधिक तकनीकों की जरूरत है। आज मनुष्य ने विज्ञान और तकनीकी में बहुत विकास कर लिया है। अब तकनीकी के बिना रह पाना नामुमकिन हो गया है। इसने हमारे जीवन को सरल, आसान और सुविधाजनक बना दिया है। अतः सरकार के स्कीम का उसकी शर्तो को पढ़कर लाभार्थी भरपूर फायदा ले, तभी लाभार्थी को लाभ प्राप्त होगा। तत्पश्चात उन्होंने एक स्वरचित गीत गाया।

सायं 05:00 बजे अल्प जलपान के पश्चात स्वयंसेविकाओं ने खो–खो खेल में प्रतिभाग किया। जिसमें स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने इस खेल का आन्नद लिया। प्राचार्य के आगमन के उपरान्त व्याख्यान पंजिका पर हस्ताक्षर कराया गया। स्वयंसेवक एवं सेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गायन कविता पाठ एवं चुटकुलो ने सबको प्रसन्न कर दिया। भोजनोपरान्त सभी रात्रि विश्राम हेतु गये। इस तरह आज का शिविर सम्पन्न हुआ।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022
सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

शिविरार्थियों द्वारा बनायी गई शिक्षा प्रेरण रंगोली का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम अधिकारी।

उपरोक्त।

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

चतुर्थ दिवस दिनांकः 12.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। स्वयंसेविका करिश्मा पटेल एवं प्रतिभा तिवारी द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना गीत गाया। सुबह 6:30 बजे प्रातःकालीन बैठक हुई। जिसमें लीडर द्वारा आज के कार्यक्रम पर चर्चा के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया।

प्रातः 08:00 बजे स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने शिविर स्थल से मतरी के लिए एक रैली निकाली गई जो स्वच्छता, साक्षरता, मतदाता जागरुकता को लेकर आयोजित की गई। स्वयंसेविकाओं ने सार्वजनिक स्थल जैसे मंदिर, पीपल का पेड़ जहां पूजन का कार्य होता है, मन्दिर के आस–पास के परिसर को साफ किया। वहां के नजदीकी लोगो को भी कूड़ा –करकट न फैलाने की चेतावनी थी, जिससे गंदगी फैले। वहीं पास ही एक इण्टर कालेज में भ्रमण भी किया और वहां के लोगो को कोविड वैक्शिनेशन टीकाकरण हेतु परामर्श भी दिया।

मतदान जागरुकता रैली के तहत आज गांव में बहुत से लोग मतदान करने से वंछित रह जाते है। उन्हें आप लोग मतदान करने हेतु उत्साहित करें तथा बताये कि एक अच्छे एवं साक्षर नेता का चयन करे ताकि समाज एवं देश को सदैव विकसित भारत के ओर ले जावे इसी के साथ एक स्लोगन बच्चो को बताया,

करें राष्ट्र का जो उत्थान, करे उसी को मतदान

स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा पूछे गये तमाम प्रश्नो का जवाब बच्चों ने बड़ी ही सहजता से दिया। प्रधानाचार्य श्री अखिलेश सिंह ने बच्चों को इस कार्यक्रम के लिए बधाई दी और कहा कि इसी तरह समाज सेवा के कार्यो में सदैव तत्पर रहे जिसमें आपका जीवन मंगलमय हो।

साथ ही समाज पर पड़ने वाला प्रभाव विषय पर व्यापक परिचर्चा की। इस कार्यक्रम को समाप्त करने के बाद दोपहर 01:00 बजे सभी शिविर स्थल पर वापिस आये। स्नान किया एवं सभी ने भोजन किया ।

द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में आये श्री विनोद कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे उन्होंने एन0एस0एस0 की वैचारिक उन्मुखता महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित बताया। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में भारत सरकार ने "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत के बाद एक एकजुट, मजबूत और आधुनिक भारत बनाने के लिए "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के मिशन पर कार्य शुरू किया है। कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरूआत की गई है। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए 'मेक इन इंडिया' अभियान शुरू किया गया है। 'डिजिटल इंडिया' पहल भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था में बदलने की कोशिश है। डिजिटल पेमेंट्स को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चल रहा है। आज भारतीय युवा डिजिटल की ओर अग्रसर हो रहे है तथा विदेशों में अवसरों के लिए भारतीयों को तैयार करने के लिए 'स्किल इंडिया' की शुरूआत की गयी है। तत्पश्चात उन्होंने अपनी एक स्वरचित रचना को उद्बोधित किया। मा0 रंजना त्रिपाठी ने बच्चों को उनकी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया।

स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने चाय पीया और क्रीडा स्थल पर खेल का आन्नद लिया। सायं के समय समीतियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन हुआ। तत्पश्चात उपस्थिति पंजिका पर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं से हस्ताक्षर कराया गया। स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने खो–खो प्रतियोगिता की जिसमें सभी स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के निरीक्षक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने शिविरार्थियों के खान–पान की व्यवस्था का जायजा लिया। तत्पश्चात भोजन के उपरान्त सभी शयन कक्ष में गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022
सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

मतदाता जागरुकता रैली कार्यक्रम।

बौद्धिक परिचर्चा में भाग लेती हुई मा0 रंजना त्रिपाठी के साथ अन्य प्रवक्तागण।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

दिनांक: 13.03.2022

पंचम दिवस

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। तत्पश्चात राष्ट्रीय एकता गीत, "सारे जहां से अच्छा" राष्ट्रीय सेवा योजना गीत हम होगे कामयाब का पाठ किया गया। सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं अपने–अपने परियोजना कार्य के अंतर्गत विगत दिवस की रिपोर्ट यूनिट लीडर द्वारा कार्यक्रम अधिकारी को प्रस्तुत की गई। गई। तत्पश्चात ग्राम हरनहीया में जाकर साक्षरता अभियान के अन्तर्गत **सब पढ़े, सब बढ़े** कार्यक्रम चलाकर लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि शिक्षा व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है क्योंकि शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान है शिक्षा से व्यक्ति सामाजिक कार्य के तौर–तरीकों को सीखता है। अपने संस्कृति संरक्षित करता है, नैतिक मूल्यों को पहचानता है। पास स्थित प्राथमिक विद्यालय पर जाकर बच्चों के साथ उनकी भौतिक समस्याओं का अवलोकन किया। इसके बाद स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने बलीन बस्ती में जाकर अनपढ़ महिलाओं एवं पुरुषों को जागरूक करने का प्रयास किया। इस विषय से सम्बन्धित कुछ स्लोगन जैसे

आधी रोटी खायेगें, बेटी भी पढ़ायेगें,

हिन्दू,मुस्लिम, सिक्ख, इसाई मिलकर के सब करे पढ़ाई,

दीप से दीप जलायेगे साक्षर समाज बनायेगे,

के माध्यम से अपनी झांकी को ग्राम थलोई में दिखाया। जिसमें ग्रामवासियों ने बड़ी उत्सुकता के साथ समझने का प्रयास किया। कोविड–19 बीमारी के प्रति सचेत किया गया कि भीड़–भाड़ वाले इलाके में न जाये। मास्क और सैनेटाइजर का प्रयोग करें। आवश्यक कार्य हेतु ही घर से बाहर निकले। कोविड–19 बीमारी की अभी कोई दवा नहीं बनी है, लेकिन वैक्सीन लगवाए और सुरक्षित रहें। इसलिए ज्यादा से ज्यादा बचें। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्वयंसेवक गांव–गांव में पोस्टर व दिवार पर लेखन के माध्यम से लोगों का जागरूक करने का प्रयास कर रहे है। इसके

साथ ही लोगों से अपने घरों के आस पास स्वच्छता बनाये रखने की स्लोगन के माध्यम से जागरूक किया गया। होम क्वारंटाइन में रह रहे लोगो को मास्क और सेनेटाइजर की बोतल भी वितरित किया गया। यह कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया।

दोपहर 01:30 बजे तक भोजन करने के उपरांत सभी स्वयंसेवक एवं सेविकाएं 02:30 बजे तक विश्राम किए। 02:30 बजे से 04:30 बजे तक बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत विचार गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका मुख्य विषय कोराना महामारी से निपटे। आज मुख्य अतिथि के रुप में **अश्वनी कुमार, श्री जयनाथ यादव, प्रीती मिश्रा के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।** मुख्य अतिथि ने बताया कि कोविड–19 जैसी भयंकर महामारी जो जानलेवा बीमारी है। यह मानव शरीर के रोग की प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट कर देता है, धीरे–धीरे मानव के शरीर का ब्लड इंफेक्शन युक्त हो जाता है। श्वास लेने में लकलीफ हो सकती है। बार–बार खासना, छीकना भी इसके लक्षण होने की संभावना है। तदुपरान्त श्री सिंह ने बताया कि इस भयंकर बीमारी से बचने का एक ही उपाय है, दो गज की दूरी एवं मास्क को आवश्यकतानुसार पहने रखे। इस मौके पर उपस्थित कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

ये "माना जिंदगी है चार दिन की, बहुत होते है यारों चार भी।।"

शाम 05:00 बजे सभी स्वयंसेवकों ने खेलकूद का कार्य किया। शाम स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं के साथ इकाई की बैठक आयोजित करते हुए उनका मूल्यांकन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं के हस्ताक्षर उपस्थित पंजिका पर कराया गया।

पापा घर में रहो, बाहर कोरोना है; सब मिलकर साथ रहेगें किसी को नहीं खोना है। कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए कार्यक्रम अधिकारी ने आज के कार्यक्रम को सम्पन्न किया।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलॉ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

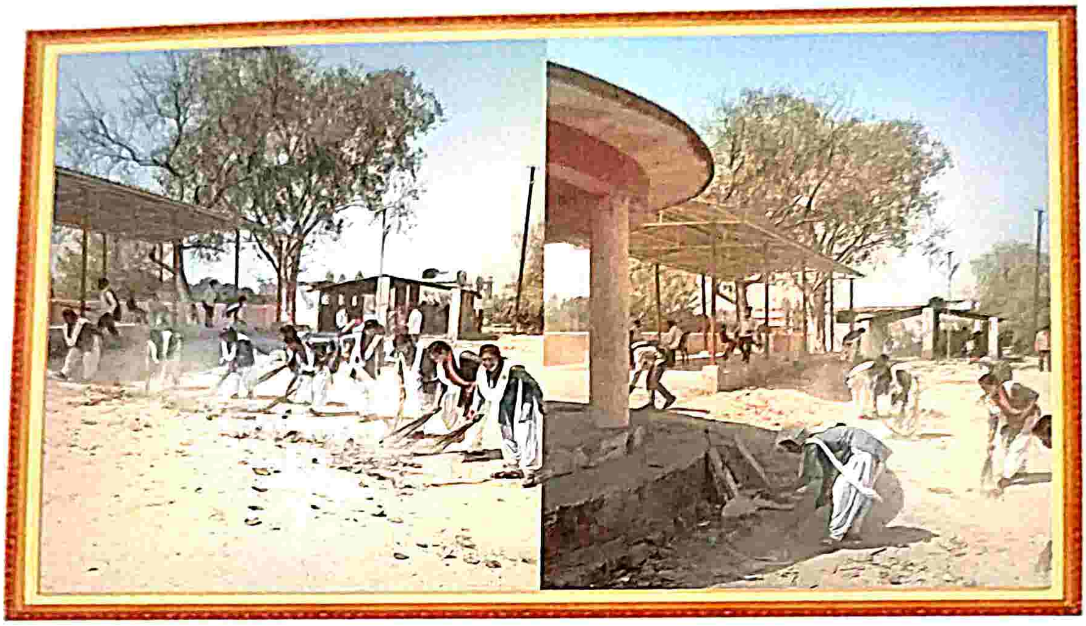

मंदिर परिसर की साफ–सफाई करते हुए शिविरार्थी।

बौद्धिक परिचर्चा को सम्बोधित करती हुई राष्ट्रीय पी0जी0 सुजानगंज की शिक्षिका।

षष्ठम् दिवस

दिनांकः 14.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे शिविर स्थल पर उपस्थित हुए। इसके बाद स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं की प्रातःकालीन बैठक हुई। स्वयंसेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया। प्रातः 06:30 बजे स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने भिखारीपुर स्थित माता मंदिर एवं बड़े शिव जी की मन्दिर साफ–सफाई की। साथ ही गावं के बच्चों से सम्पर्क करके उन लोगों को स्वच्छता की बाते बतायी। जिसमें मुख्य रुप से प्लास्टिक का प्रयोग न करना, घर के आस–पास पानी न जमा होने देना, कूड़ा करकट न करना, तथा स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने बेटी बचाओ के नारे लगाते हुए चरितार्थ करने की बात बताई। **"बेटी बचाव, बेटी पढाओं" आधी रोटी खायेगे, बेटिया पढ़ाऐगे।** स्वच्छता, स्कूल चलो अभियान का नारा दिया। जल के हो रहे दुरूपयोग के प्रति लोगों को चेताया तथा दिनोदिन भूगर्भ के जलस्तर में हो रहे गिरावट के प्रति लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया एवं वर्षा के जल को संचित करने के लिए भी लोगों को प्रोत्साहित किया गया। आप

जल नहीं बचाओंगे तो कल आपके बच्चे प्यासे रह जायेगे।
जल संरक्षण है मेरा सपना, ताकि खुशहाल बने भारत अपना।
जल ही जीवन है इसके बिना सब निर्जन है।
जनहित में यह सूचना है जारी, जल संरक्षण की करो तैयारी।

द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्रवक्ता के रुप में अश्वनी कुमार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास की एक अहम कड़ी है। जो शिविरार्थियों में अनुशासन, चरित्र निर्माण, समाजीकरण, नैतिक शिक्षा, कर्तव्यबोध, सामंजस्य व्यवहारिक शिक्षा का विकास करता है। अनुशासन व्यक्तिगत जीवन में इतना आवश्यक है कि उसके

बिना जीवन अधूरा प्रतीत होता है। क्योंकि अनुशासन ही मनुष्य को नियमित दिनचर्या के अनुरूप जीवन जीने की कला को सिखाता है जो सभी के लिए आवश्यक है।

श्री अनिल कुमार ने कहा कि मनुष्य अपने थोड़े से स्वार्थ के लिए निम्न स्तर तक गिर जाता है जो बहुत कष्टदायक एवं हानिप्रद बातें है जो प्रत्येक जीवन में समस्या पैदा करता है। अच्छे विचार एवं व्यवहार मनुष्य को एक अच्छे स्तर तक पहुँचाने में सहायक होते हैं। जीवन में मनुष्य को किसी भी परिस्थिति में अपने धैर्य एवं सामंजस्य को बनाये रखना चाहिए और यह एक अच्छी शिक्षा के लिए प्राप्त किया जा सकता है। बेटा व बेटी दोनो ही संतान हैं, इनमें किसी भी प्रकार का भेद नहीं होना चाहिए। समाज में आज भी लोगों का नजरिया भ्रमात्मक है इसी कारण दोनो मे अन्तर किया जाता है। आपने अपने सम्बोधन से शिविरार्थियों में एक उत्साह एवं जोश का संचार किया और उनमें आत्मविश्वास को जगाया कि आप समाज में भ्रूण हत्या नहीं होने देगें। दहेज जैसी कुप्रथाओं का विरोध करेगें, उन्होने शिविरार्थियों से संकल्प लिया कि आप जीवन भर अपनी उर्जा को समाज में फैली कुप्रथाओं की समाप्ति के लिए प्रयोग करेगें।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ0 विजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान किया। सब ने चाय पी तथा समापन समारोह के सन्दर्भ में तैयारियों का जायजा लिया गया और उसके उपरान्त सभी क्रीडा स्थल पर कबड्डी का आयोजन हुआ। सायं 06:00 बजे से 07: बजे तक समीतियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन हुआ। सायं 07: बजे से 09:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं से कराया गया। तत्पश्चात भोजन के उपरान्त सभी शयन कक्ष में गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलॉं-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022
सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

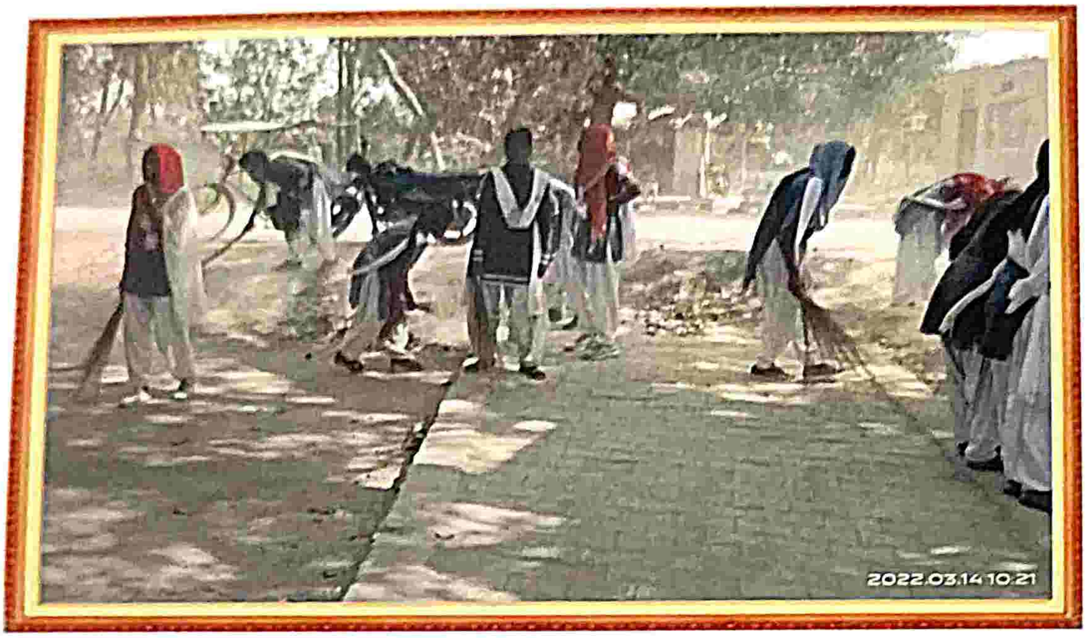

प्रा0 वि0 हरनहिया परिसर की साफ–सफाई करती स्वयंसेविकाएं।

ग्राम हरनहिया में जागरुकता रैली।

समापन दिवस दिनांक: 15.03.2022

शिविर के सातवें दिन अर्थात दिनांक 15.03.2022 को अन्तिम दिन और समापन दिवस भी था। शिविर स्थल के आस–पास सफाई तथा चूना छिड़काव आदि करके रंगोली तथा अन्य स्वागत सूचक शब्दों को लिखा गया। आज शिविरार्थियों ने बड़े ही उत्साह एवं जोश के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। समापन समारोह के प्रारम्भ में सरस्वती जी की प्रतिमा चित्र पर माल्यार्पण कर दीप जलाकर किया गया। स्वयंसेवक एवं सेविकाओं द्वारा गीत, नृत्य, एकांकी तथा देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किये गये।

सात दिवसीय शिविर के समापन दिवस के अवसर पर जे0पी0 इण्टरनेशल के संगीत शिक्षक श्री रमेश मिश्र, शिवानन्द चतुर्वेदी, श्री अमरनाथ सिंह मोही, मुक्ता सिंह, आदि उपस्थित रही। रघुवीर महाविद्यालय के प्राचार्य भी उपस्थित थे। महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं का मार्गदर्शन किया। शिविरार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने इस सात दिवसीय शिविर में बिताए गए एवं उनके द्वारा किए गए समस्त कार्यों की समीक्षा की, उन्होंने इसके लिए धन्यवाद दिया कि इन सात दिनों में जो कुछ भी सीख सके हैं उसका समाज में सदुपयोग करे। तब जाकर हमारी सात दिनों की गई तपस्या पूर्ण होगी, तभी उसका कोई मतलब होगा। इसी आशा एवं विश्वास के साथ रात–दिन चलने वाले इस सात दिवसीय शिविर के समापन की घोषणा की जाती है। आपका जीवन मंगलमय हो यही ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। सफल कार्यक्रम संचालन के लिए दोनों कार्यक्रम अधिकारी का भी आभार व्यक्त किया गया। अंत में कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला ने समस्त छात्रों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया तत्पश्चात शिविर के समापन की घोषणा की गई समस्त कार्यक्रम वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह की देखरेख में संपन्न

हुआ बच्चों ने राष्ट्रगान गाया एवं यह शपथ ली की अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करेंगे जिससे हमारा तथा हमारे समाज का बहुमुखी विकास हो सके।

शिक्षार्थ आएगे, सेवार्थ जायेगे।

इसके उपरान्त उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवक एवं सेविकाओं को प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव एवं मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्य जी ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए सभी शिविरार्थियों को बधाई दी और कहा कि आज से आप समाज के जिम्मेदार नागरिक हैं और समाज के बीच रहकर उसके दुःख–दर्द को समझे एवं उसका समाधान ढूंढे। यह शिविर सिर्फ सात दिन का था, परन्तु वास्तव में सही मायने में वास्तविक शिविर की शुरुआत आज से हो रही है। जो आपके जीवन पर्यन्त तक चलती रहेगी, उसे अब समाज को वापस करने की बारी आई है। जिससे आप और आपका समाज दोनों लाभान्वित होगा इसी आशा और विश्वास के साथ आप सभी का पुनः धन्यवाद प्राचार्य जी का उद्बोधन समाप्त हुआ।

उपरान्त वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह द्वारा आये हुए सभी अतिथियों एवं स्वयंसेवक एवं सेविकाओं का उनके सहयोग हेतु धन्यवाद दिया गया तथा मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य को सभी स्वयंसेवक एवं सेविकाओं की तरफ से अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अन्त में राष्ट्रगान के साथ शिविर समापन की घोषणा की।

भारतमाता की जय का नारा लगाते हुए बच्चे अपने–अपने घर को रवाना हुए ललिता टीचर्स टेनिंग इन्स्टीच्यूट के प्राचार्य तथा समस्त शिक्षको के सहयोग के लिए कार्यक्रम अधिकारी ने उनका आभार व्यक्त किया।

रघुवीर महाविद्यालय

थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

महाविद्यालय के मुख्य द्वार की साफ–सफाई करती स्वयंसेविकाएं।

समापन समारोह के दौरान शिविरार्थियों की सामूहिक छवि।

सप्त दिवसीय
विशेष शिविर आख्या

इकाई द्वितीय

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

प्रथम दिवस

दिनांक: 09.03.2022

आज दिनांक: 09.03.2022 को प्रातः 09:00 बजे **राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का शुभारम्भ** किया गया। सर्वप्रथम स्वयंसेविकाओं के द्वारा एन0एस0एस0 का लोगो बनाया गया। तत्पश्चात ध्वजारोहण की तैयारी की गयी।

शिविर का उद्वघाटन मुख्य अतिथि प्रधान श्री अमर बहादुर गौतम द्वारा किया गया। इस उद्घाटन समारोह में आये अन्य अतिथिगण, प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव (रघुवीर महाविद्यालय) एवं महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी, श्री शिवानन्द चतुर्वेदी (श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय), श्री जितेन्द्र कुमार सिंह (श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय) रहे।

मुख्य अतिथि के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित किया गया। हर्षिता यादव एवं स्वाती के द्वारा वन्दना एवं भक्तिगीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि जी ने कहा कि विशेष शिविर का उद्देश्य युवा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास एवं चरित्र का विकास करना है। सामाजिकता के अतिरिक्त चरित्र का निर्माण, व्यक्ति का सर्वांगीण विकास नागरिक और सामाजिक कर्तव्यों पर बल सामाजिक सुख और कौशल की उन्नति तथा राष्ट्रीय संस्कृति का संरक्षण और प्रसार करना है।

उद्घाटन सत्र के प्रथम दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने इस सप्त दिवसीय शिविर को सुचारु रुप से चलाने के लिए अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कहीं और स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को इस शिविर में सात दिनों तक जो कुछ भी सीखे उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें।

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय के प्रवक्ता श्री शिवानन्द चतुर्वेदी ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को सप्त दिवसीय शिविर में पूर्व मनोयोग के साथ कार्य करने की बात कहीं और साथ ही साथ यह भी बताया कि मिलजुल कर कार्य करने से सामाजिकता का भाव उत्पन्न होता है। जिससे हमारे अन्दर नैतिक बल की सृष्टि होती है और हमारा जीवन उत्तम होता है। स्वयंसेवको एवं स्वयंसेविकाओं के साथ महाविद्यालय के प्रवक्तागण के साथ स्वयं एक साथ साफ–सफाई का कार्य सम्पन्न किया गया। उनके द्वारा एक राष्ट्रीय सेवा योजना सम्बन्धित गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला ने स्वयंसेवक एवं सेविकाओं को महाविद्यालय से शिविर स्थल ललिता टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टीच्यूट, रघुवीरनगर ले गये। जिसकी दूरी 1.00 कि0मी0 है जहाँ पैदल यात्रा आधे घंटे में तय की। तत्पश्चात वहां पहुचकर प्रांगण की साफ–सफाई की। कार्यक्रम अधिकारी *श्रीमती संजू शुक्ला* ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को बताया कि एन0एस0एस0 के द्वारा हम सामजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यो को संवर्धन कर सकते है। जिसके द्वारा हम अपने नैतिक बल की वृद्धि कर सकते है।

इस कार्यक्रम को करने के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं की टोली शिविर स्थल आयी और थोड़ी देर तक विश्राम किया। उसके बाद प्रथम दिवस के कार्यक्रम पर परिचर्चा हुई तथा सात दिन तक चलने वाले इस शिविर की रुप रेखा पर विचार किया गया तथा इकाई के लीडर का चयन किया गया । इसके उपस्थिती पंजिका पर हस्ताक्षर करवाये गये। इसके बाद सभी ने रात्रि भोजन ग्रहण किया तथा रात्रि 10:00 बजे शयन कक्ष में गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्प एवं दीप प्रज्जवलित करते हुए।

उद्घाटन सत्र का व्याख्यान सुनते हुए शिविरार्थी।

द्वितीय दिवस

दिनांकः 10.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। सर्वप्रथम प्रार्थना एवं योगाभ्यास कराया गया। सुबह 06:30 प्रातःकालीन बैठक हुई, जिसमें यूनिट लीडर ने प्रथम दिवस के कार्यक्रमों का अवलोकन किया। तत्पश्चात दूसरे दिन के कार्यक्रम पर चर्चा के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया। उसके बाद आज के कार्यक्रम की तैयारियों में लग गये।

प्रातः 08:00 बजे शैक्षिक भ्रमण के लिए सुलानगंज स्थित जे0पी0इण्टरनेशनल स्कूल में पहुँच कर स्वयंसेविकाओं ने साफ–सफाई का कार्य किया। वहां पर घास–फूस की कटाई–छटाई की गई। बिखरे हुए पालिथीन, कागज के टूकड़े जैसे अन्य खरपतवार को एकत्र करके दूर स्थित गढ्डे में डाला गया। उसके बाद आस–पास बस्ती में जाकर स्वच्छता का पाठ पढ़ाया गया। वहां पर साफ–सफाई की और पास में माता मंदिर एवं शिव मंदिर की वृहद साफ–सफाई भी की। महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी बच्चों को स्वच्छता के बारे में जागरुक किया। हर समय कोई सरकारी संस्था हमारे पीछे नहीं लगा रह सकता। हमें स्वयं की आदतों में सुधार करना होगा और स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। हालांकि आदतों में बदलाव करना आसान नहीं होगा लेकिन यह इतना मुश्किल भी नहीं है। स्वच्छ भारत का निर्माण सफलतापूर्वक कर सकते हैं। गांव के लोग स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं के विचारों को ध्यान से सुना और स्वच्छता के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी। शिविरार्थियो ने नारे लगाते हुए चल रहे थे।

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

"शौचालय का प्रयोग करें, भारत को खुशियों से भरें"

"गंदगी से बढ़े बीमारी, स्वच्छता की करो तैयारी"

दोपहर 12:00 बजे तक स्वयंसेवको और स्वयंसेविकाओं शिविर स्थल पहुँचकर स्नान कर भोजन किया।

दोपहर बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रुप में **ग्राम प्रधान श्री अमर बहादुर गौतम** जी का स्वागत हुआ। ग्रामप्रधान जी का कार्यक्रम अधिकारी ने स्वागत किया, और स्वच्छता सम्बिधत जानकारी ली, ग्राम प्रधान जी ने कहा कि सफाई कर्मी हमारे गांव प्रतिदिन आते है, लेकिन उन्हें आपके सब लोगो के सहयोग की आवश्यकता है, घरों से निकलने वाला यदि एक कूड़ा एक निश्चित स्थान पर फेंकें, तो सफाई कर्मी उसे गांव के बाहर ले जाकर गड्ढे में डाल देंगे। इस तरह थोड़े सहयोग से गांव स्वच्छ हो सकता है और वह सुन्दर भी लगेगा। तमाम बीमारिया दूर रहेगी और हम निरोग रहेगें।

तत्पश्चात सभी स्वयंसेवक शिविर स्थल वापस आ गये और कार्यक्रम अधिकारी से स्वच्छता जागरुकता अभियान के सन्दर्भ में मन में उठे तमाम सवालों का जवाब उन्होंने दिया इस कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला द्वारा किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान किया गया। सब ने चाय पी और क्रीडा स्थल पर खेल का आन्नद लिया। सायंकाल स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं के साथ समीतियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन हुआ। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम, उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं से कराया गया। कार्यक्रम अधिकारी संजू सिंह शुक्ला ने स्वयंसेविकाओं एवं स्वयंसेवको को नृत्यकला की शिक्षा प्रदान की और कहा कि कल सभी को नृत्य कर के दिखाना होगा। तत्पश्चात सभी शिविरार्थियों ने भोजन किया और शयन हेतु चले गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

भिखारीपुर स्थित माता मंदिर की सफाई करती स्वयंसेविकाएं।

नृत्य कला की शिक्षा प्रदान करती हुई कार्यक्रम अधिकारी।

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

तृतीय दिवस दिनांकः 11.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 09:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। सर्वप्रथम प्रार्थना एवं शिविर स्थल की साफ–सफाई की गई। सुबह 09:30 प्रातःकालीन बैठक हुई, जिसमें यूनिट लीडर ने विगत दिवस के कार्यक्रमों की रिपोर्ट पढ़ी। तत्पश्चात आज के कार्यक्रम पर चर्चा के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया। प्रातः 10:00 बजे स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने प्रा0 विद्यालय थलोई में शिक्षा के महत्व पर रैली को निकालने का निर्णय लिया और यह सुनिश्चित किया कि रैली विभिन्न गांव की मलिन बस्तियों में जाकर स्वयं साफ–सफाई का कार्यक्रम चलाएंगे तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करेंगे।

इकाई दो के छात्र–छात्राएं भिखारीपुर–कलॉ में रुककर ही मलीन बस्ती में जाकर ग्रामवासियों को शिक्षा के महत्व पर विशेष जानकारी दी। बताया कि इसके लिए सामाजिक स्तर पर जागरूकता जरूरी है। नारी शिक्षक पर जागरुकता अभियान चलाया गया और शिक्षा की बात की गई। यदि नारी ही शिक्षित नहीं होगी तो वह न तो सफल गृहिणी बन सकेगी और न कुशल माता। माँ ही अशिक्षित होगी तो वह अपने बच्चों का सही मार्गदर्शन करके उनका मानसिक विकास कैसे कर पाएगी और एक स्वस्थ समाज का निर्माण एवं विकास सम्भव नहीं हो सकेगा। वर्तमान दौर में यह बात सर्व मान्य है कि स्त्री को भी उतना शिक्षित होना चाहिये जितना कि पुरुष हो। यह सिद्ध सत्य है कि यदि माता शिक्षित न होगी तो देश की सन्तानो का कदापि कल्याण नहीं हो सकता। अतः स्त्री शिक्षा बहुत ही जरुरी है।

इसके पश्चात स्वयंसेवक एवं सेविकाओं दोपहर 12:30 बजे शिविर स्थल पर वापसी करके स्नान एवं भोजन ग्रहण करने के पश्चात विश्राम किया।

दोपहर 02:00 बजे संगोष्ठी हेतु एकत्रित हुए। आज का गोष्ठी का विषय तकनीकि में युवाओं की भूमिका। जिसमें मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित श्री मयंक त्रिपाठी, श्री अमरनाथ मोही एवं श्री खगेन्द्र मिश्र उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रुप में निशा किरन उपाध्याय ने कहा कि इस आधुनिक दुनिया में एक देश के लिए दूसरे देशों से मजबूत, ताकतवर और अच्छी तरह से विकसित होने के लिए विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में नए आविष्कार करना बहुत आवश्यक है। इस प्रतियोगी समाज में, हमें आगे वढ़ने और जीवन में सफल व्यक्ति वनने के लिए अधिक तकनीकों की जरूरत है। आज मनुष्य ने विज्ञान और तकनीकी में बहुत विकास कर लिया है। अव तकनीकी के विना रह पाना नामुमकिन हो गया है। इसने हमारे जीवन को सरल, आसान और सुविधाजनक वना दिया है। अतः सरकार के स्कीम का उसकी शर्तो को पढ़कर लाभार्थी भरपूर फायदा ले, तभी लाभार्थी को लाभ प्राप्त होगा।

सायं 05:00 बजे अल्प जलपान के पश्चात स्वयंसेविकाओं ने खो–खो खेल में प्रतिभाग किया। जिसमें स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने इस खेल का आन्नद लिया। उपप्राचार्य के आगमन के उपरान्त/उप प्राचार्यो ने सभी का आभार व्यक्त किया उपप्राचार्य ने सभी का अभिवादन किया तत्पश्चात व्याख्यान पंजिका पर हस्ताक्षर कराया गया। स्वयंसेवक एवं सेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गायन कविता पाठ एवं चुटकुलो ने सवको प्रसन्न कर दिया। इस तरह आज का शिविर सम्पन्न हुआ।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022
सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

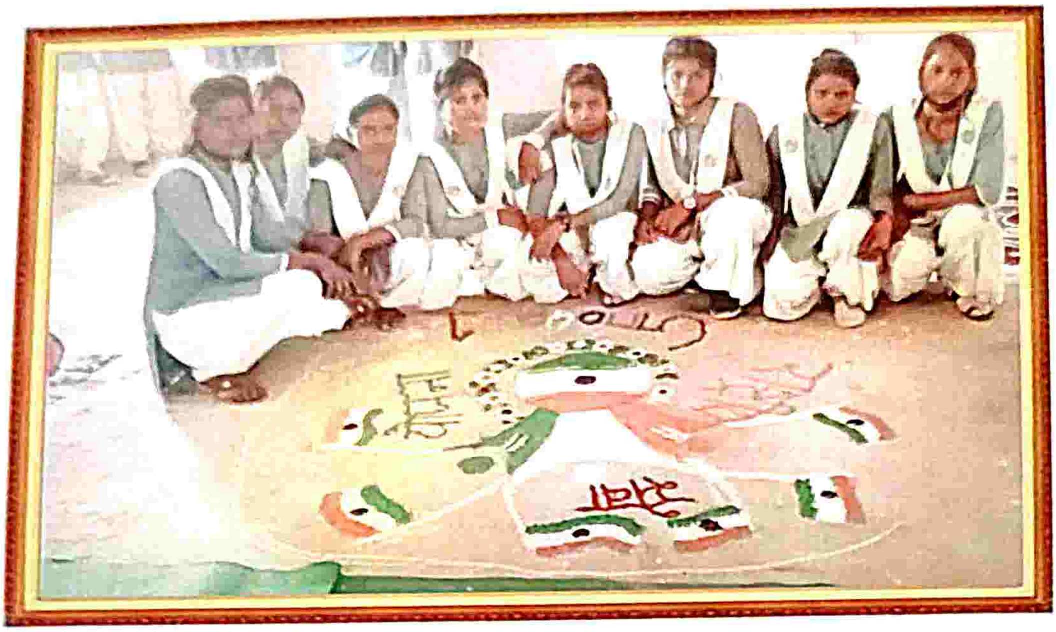

नारी शिक्षा पर स्वयंसेविकाओं द्वारा बनायी गई रंगोली ।

रक्तदान महादान पर स्वयंसेविकाओं द्वारा बनायी गई रंगोली । ।

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

दिनांकः 12.03.2022

चतुर्थ दिवस

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। स्वयंसेविका रवीना एवं माधुरी के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना गीत गाया। सुबह 06:30 बजे प्रातःकालीन बैठक हुई। जिसमें लीडर डिम्पल द्वारा आज के कार्यक्रम पर चर्चा के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया।

प्रातः 10:00 बजे स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को परियोजना कार्य के लिए प्राथमिक विद्यालय पर साफ–सफाई एवं प्लास्टिक पात्रों के निस्तारण में पॉलिथीन, बोतल आदि को इकट्ठा करके चलाया गया। स्वच्छ परिसर, सुन्दर परिसर की कार्यवाही की गई। तत्पश्चात गांव के अन्तर्गत प्रेरक उद्‌बोधन के साथ, स्वच्छता अभियान के नारे लगाए गए। स्वयंसेविकाओं ने गांवों की नारियों से मिलकर प्लास्टिक पात्रों के उपयोग से होने वाली हानियों के बारे में जागरूक किया गया। शिविरार्थियों के द्वारा लगाये गये नारे इस प्रकार बोले गयेः–

1)–स्वच्छता अपनाओ – स्वच्छता अपनाओ, अपने घर को सुंदर बनाओ।

2)– अपना देश भी साफ हो, इसमे हम सब का हाथ हो।

3)–क्लीन सिटी, ग्रीन सिटी, यही मेरी है ड्रीम सिटी।

4)–स्वच्छता अपनाओ, समाज में खुशियाँ लाओ।

5)–स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत। के बैनर पोस्टर के साथ गांव भ्रमण कर जागरुक किया गया। इस कार्यक्रम को समाप्त

करने के बाद दोपहर 01:00 बजे सभी शिविर स्थल पर वापिस आये। स्नान किया एवं सभी ने भोजन किया ।

द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में आये श्री विनोद कुमार तिवारी उपस्थित रहे उन्होंने एन0एस0एस0 की वैचारिक उन्मुखता महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित बताया। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में भारत सरकार ने "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत के बाद एक एकजुट, मजबूत और आधुनिक भारत बनाने के लिए "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के मिशन पर कार्य शुरू किया है। कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरूआत की गई है। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए 'मेक इन इंडिया' अभियान शुरू किया गया है। 'डिजिटल इंडिया' पहल भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था में बदलने की कोशिश है। डिजिटल पेमेंट्स को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चल रहा है। आज सभी युवा भारतीय डिजिटल पेंमेन्ट की ओर अग्रसर है तथा विदेशों में अवसरों के लिए भारतीयों को तैयार करने के लिए 'स्किल इंडिया' की शुरूआत की गयी है। तत्पश्चात उन्होने अपनी एक स्वरचित रचना को उद्बोधित किया।

स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने चाय पीया और क्रीडा स्थल पर खेल का आन्नद लिया। सायं के समय समीतियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन हुआ। तत्पश्चात उपस्थिति पंजिका पर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं से हस्ताक्षर कराया गया। स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने खो–खो प्रतियोगिता की जिसमें सभी स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के निरीक्षक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने शिविरार्थियों के खान–पान की व्यवस्था का जायजा लिया। तत्पश्चात भोजन के उपरान्त सभी शयन कक्ष में गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

स्वच्छता अभियान के लिए गांव में भ्रमण करती स्वयंसेविकाएं।

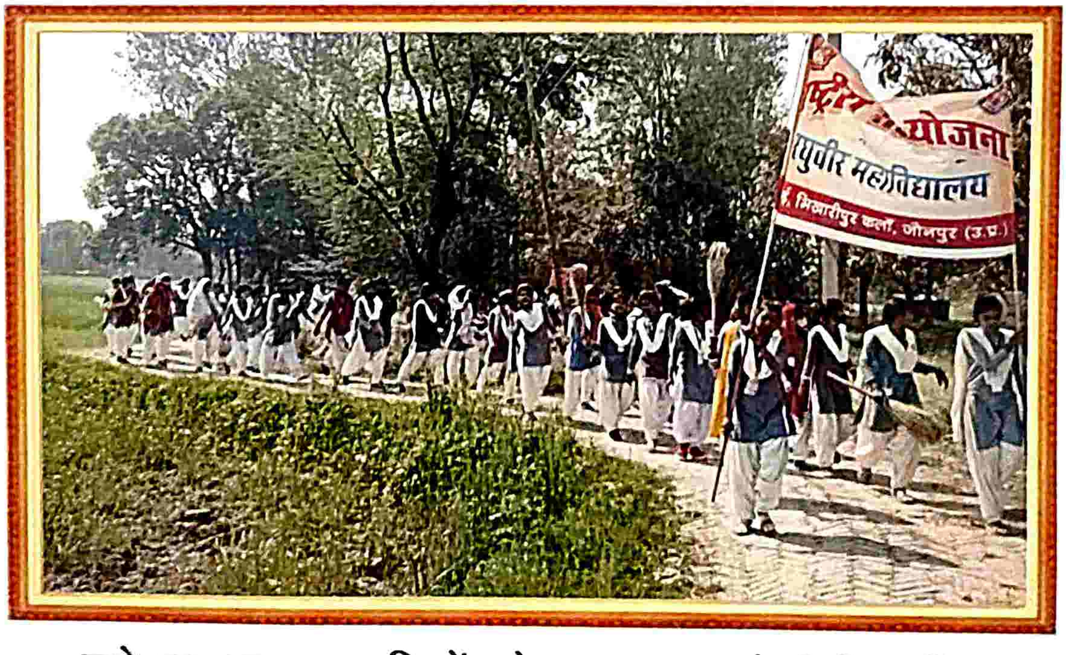

नारे लगाकर ग्रामवासियों को जागरुक करते शिविरार्थी।

पंचम दिवस दिनांकः 13.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। तत्पश्चात राष्ट्रीय एकता गीत, ''**वन्दे मातरम्**'' राष्ट्रीय सेवा योजना गीत हम होगे कामयाब का पाठ किया गया। सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं अपने–अपने परियोजना कार्य के अंतर्गत विगत दिवस की रिपोर्ट यूनिट लीडर द्वारा कार्यक्रम अधिकारी को प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात श्रमदान के लिए मुस्तफाबाद स्थित यूनियन बैंक सार्वजनिक स्थल की साफ–सफाई की गई। उसके बाद आस–पास के लोगो को दोहरा, गुटखा, पान–सुपारी आदि खाकर यहां–वहां थूकने पर विरोध किया तथा बताया कि इससे स्थान गंदे होने के साथ–साथ बीमारी भी फैलती है। मच्छरजनित रोग भी पैदा हो जाते है जो डेगू बुखार, चिकगुनया, कालाजार का जन्म होता है। बाज़ार में स्थित बड़ी मस्जिद की साफ–सफाई करके यहां वहां थूकने पर विरोध जतायी और वहां के लोगो को भी जागरुक किया गया। कोविड–19 बीमारी के प्रति सचेत किया गया कि भीड़–भाड़ वाले इलाके में न जाये। मास्क और सैनेटाइजर का प्रयोग करें। आवश्यक कार्य हेतु ही घर से बाहर निकले। कोविड–19 बीमारी की अभी कोई दवा नहीं बनी है, सिर्फ बचाव ही सबसे अच्छा उपाय है। वैक्सिीनेशन जरुर करवाये। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्वयंसेवक गांव–गांव में पोस्टर व दिवार पर लेखन के माध्यम से लोगों का जागरूक करने का प्रयास कर रहे है। इसके साथ ही लोगों से अपने घरों के आस पास स्वच्छता बनाये रखने की स्लोगन के माध्यम से जागरूक किया गया। स्वंयसेवकों ने प्रवासी लोगो के प्रति भेदभाव ना करने, आंगनबाड़ी, आशावर्कर, स्वास्थ्य कर्मियों का सम्मान कर उत्साहवर्धन करने की अपील की गई। होम क्वारंटाइन में रहे रह लोगो को सेनेटाइजर की बोतल भी वितरित की

गई। यह कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला के नेतृत्व में किया गया।

दोपहर 01:30 बजे तक भोजन करने के उपरांत सभी स्वयंसेवक एवं सेविकाएं 02:30 बजे तक विश्राम किए। 02:30 बजे से 04:30 बजे तक बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत विचार गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका मुख्य विषय कोराना महामारी से निपटे। आज मुख्य अतिथि के रुप में अश्वनी कुमार, श्री जयनाथ यादव, प्रीती मिश्रा के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने बताया कि कोविड–19 जैसी भयंकर महामारी जो जानलेवा बीमारी है। यह मानव शरीर के रोग की प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट कर देता है, धीरे–धीरे मानव के शरीर का ब्लड इंफेक्शन युक्त हो जाता है। श्वास लेने में तकलीफ हो सकती है। बार–बार खासना, छीकना भी इसके लक्षण होने की संभावना है। तदुपरान्त श्री सिंह ने बताया कि इस भयंकर बीमारी से बचने का एक ही उपाय है, दो गज की दूरी एवं मास्क को आवश्यकतानुसार पहने रखे। इस मौके पर उपस्थित समस्त अतिथियों का आभार कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला द्वारा किया गया।

शाम 05:00 बजे सभी स्वयंसेवकों ने खेलकूद का कार्य किया। शाम स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं के साथ इकाई की बैठक आयोजित करते हुए उनका मूल्यांकन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं के हस्ताक्षर उपस्थित पंजिका पर कराया गया।

पापा घर में रहो, बाहर कोरोना है; सब मिलकर साथ रहेगें किसी को नहीं खोना है। कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए कार्यक्रम अधिकारी ने आज के कार्यक्रम को सम्पन्न किया।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

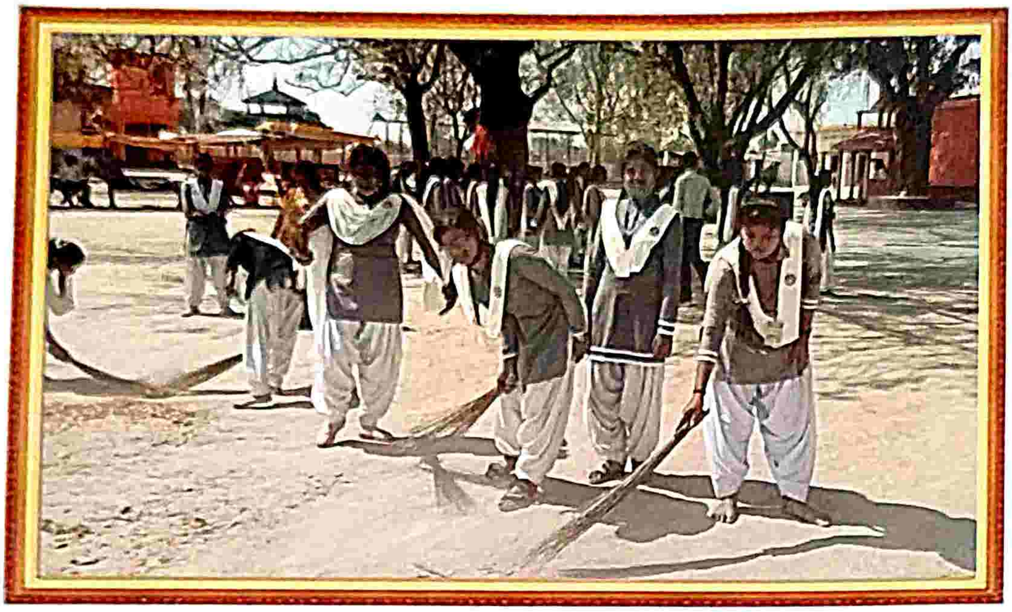

श्री गौरी शंकर मन्दिर परिसर की साफ–सफाई करती स्वयंसेविकाएं।

साफ–सफाई उपरान्त मंदिर में पूजन एवं दर्शन करते हुए शिविरार्थी।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

षष्ठम् दिवस दिनांकः 14.03.2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं प्रातः 06:00 बजे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा कतारबद्ध होकर रा0से0यो0 गीत "**उठे समाज के लिए उठे–उठे, जगे स्वराष्ट्र के लिए जगे जगे**" गाया गया। स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं की प्रातःकालीन बैठक हुई। इसके बाद स्वयंसेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने उपस्थिती पंजिका पर क्रमशः हस्ताक्षर किया। प्रातः 6:30 बजे स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने भिखारीपुर–कलॉ स्थित मंदिर की साफ–सफाई की। तत्पश्चात आज के परियोजना कार्य बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं, एवं महिला साक्षरता के प्रति जागरुकता किया। शिविरार्थी नारे लगाते हुए जागरुकता रैली में आगे बढ़ रहे थे।

बेटी–बेटा एक समान, उनमें न करों भेदभाव।

जीवन, शिक्षा एवं प्यार, बेटियों का भी है अधिकार।

अगर बेटा एक अभिमान, तो बेटियां भी वरदान है।।

उसके बाद ग्राम भिखारीपुर के सड़को पर किनारे पर जमी हुई घास–फूस को काटकर अलग किया गया। कुछ जगहो परं वृक्षों को संरक्षित किया गया। महिला सशक्तिकरण के तहत स्वयंसेविकाएं गांव के घरों में जाकर उन्हें साफ–सफाई एवं स्वच्छ जल पीने के लिए जागरुक किया। भोजन को सदैव ढ़ककर रखे एवं मांसाहार को अच्छी तरह से पकाकर खाये, के प्रति जागरुक किया। इसी क्रम में दुकानदारों और उपभोक्ताओं को जागरूक किया। खानपान में सावधानी बरतने की हिदायत दी। पॉलीथीन का प्रयोग न करने की सलाह दी गई। उसके बाद सुबह 11:30 बजे के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं वापस शिविर स्थल आ गये, वहां पर स्नान आदि किया। बौद्धिक कार्यक्रम की शुरुआत होती है।

श्री अनिल कुमार ने कहा कि मनुष्य अपने थोड़े से स्वार्थ के लिए निम्न स्तर तक गिर जाता है जो बहुत कष्टदायक एवं हानिप्रद बातें है जो प्रत्येक जीवन में समस्या पैदा करता है। अच्छे विचार एवं व्यवहार मनुष्य को एक अच्छे स्तर तक पहुँचाने में सहायक होते हैं। जीवन में मनुष्य को किसी भी परिस्थिति में अपने धैर्य एवं सामंजस्य को बनाये रखना चाहिए और यह एक अच्छी शिक्षा के लिए प्राप्त किया जा सकता है। बेटा व बेटी दोनो ही संतान हैं, इनमें किसी भी प्रकार का भेद नहीं होना चाहिए। समाज में आज भी लोगों का नजरिया भ्रमात्मक है इसी कारण दोनो मे अन्तर किया जाता है। आपने अपने सम्बोधन से शिविरार्थियों में एक उत्साह एवं जोश का संचार किया और उनमें आत्मविश्वास को जगाया कि आप समाज में भ्रूण हत्या नहीं होने देगें। दहेज जैसी कुप्रथाओं का विरोध करेगें, उन्होने शिविरार्थियों से संकल्प लिया कि आप जीवन भर अपनी उर्जा को समाज में फैली कुप्रथाओं की समाप्ति के लिए प्रयोग करेगें।

इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संजू शुक्ला के द्वारा किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान किया। सब ने चाय पी तथा समापन समारोह के सन्दर्भ में तैयारियों का जायजा लिया गया और उसके उपरान्त सभी क्रीडा स्थल पर कबड्डी का आयोजन हुआ। सायं 06:00 बजे से 07: बजे तक समीतियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन हुआ। सायं 07: बजे से 09:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं से कराया गया। तत्पश्चात भोजन के उपरान्त सभी शयन कक्ष में गये।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं पर जागरुकता रैली।

बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं अभियान के लिए पूर्व मा0 विद्यालय थलोई में एकत्रित हुए शिविरार्थी।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

समापन दिवस दिनांकः 15.03.2022

शिविर के सातवे दिन अर्थात दिनांक 15.03.2022 को अन्तिम दिन और समापन दिवस भी था। शिविर स्थल के आस–पास सफाई तथा चूना छिड़काव आदि करके रंगोली तथा अन्य स्वागत सूचक शब्दों को लिखा गया। आज शिविरार्थियों ने बड़े ही उत्साह एवं जोश के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। समापन समारोह के प्रारम्भ में सरस्वती जी की प्रतिमा चित्र पर माल्यार्पण कर दीप जलाकर किया गया। स्वयंसेवक एवं सेविकाओं द्वारा गीत, नृत्य, एकांकी तथा देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किये गये।

सात दिवसीय शिविर के समापन दिवस के अवसर पर जे0पी0 इण्टरनेशल के संगीत शिक्षक श्री रमेश मिश्र, शिवानन्द चतुर्वेदी, श्री अमरनाथ सिंह मोही, मुक्ता सिंह, आदि उपस्थित रही। रघुवीर महाविद्यालय के प्राचार्य भी उपस्थित थे। महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं का मार्गदर्शन किया। शिविरार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने इस सात दिवसीय शिविर में बिताए गए एवं उनके द्वारा किए गए समस्त कार्यों की समीक्षा की, उन्होंने इसके लिए धन्यवाद दिया कि इन सात दिनों में जो कुछ भी सीख सके हैं उसका समाज में सदुपयोग करे। तब जाकर हमारी सात दिनों की गई तपस्या पूर्ण होगी, तभी उसका कोई मतलब होगा। इसी आशा एवं विश्वास के साथ रात–दिन चलने वाले इस सात दिवसीय शिविर के समापन की घोषणा की जाती है। आपका जीवन मंगलमय हो यही ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। सफल कार्यक्रम संचालन के लिए दोनों कार्यक्रम अधिकारी का भी आभार व्यक्त किया गया। अंत में कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला ने समस्त छात्रों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया तत्पश्चात शिविर के समापन की घोषणा की गई समस्त कार्यक्रम वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह की देखरेख में संपन्न

हुआ बच्चों ने राष्ट्रगान गाया एवं यह शपथ ली की अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करेंगे जिससे हमारा तथा हमारे समाज का बहुमुखी विकास हो सके।

शिक्षार्थ आएगे, सेवार्थ जायेगे।

इसके उपरान्त उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवक एवं सेविकाओं को प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव एवं मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्य जी ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए सभी शिविरार्थियों को बधाई दी और कहा कि आज से आप समाज के जिम्मेदार नागरिक हैं और समाज के बीच रहकर उसके दुःखदर्द को समझे एवं उसका समाधान ढूंढे। यह शिविर सिर्फ सात दिन का था, परन्तु वास्तव में सही मायने में वास्तविक शिविर की शुरुआत आज से हो रही है। जो आपके जीवन पर्यन्त तक चलती रहेगी, उसे अब समाज को वापस करने की बारी आई है। जिससे आप और आपका समाज दोनों लाभान्वित होगा इसी आशा और विश्वास के साथ आप सभी का पुनः धन्यवाद प्राचार्य जी का उदबोधन समाप्त हुआ।

उपरान्त वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह द्वारा आये हुए सभी अतिथियों एवं स्वयंसेवक एवं सेविकाओं का उनके सहयोग हेतु धन्यवाद दिया गया तथा मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य को सभी स्वयंसेवक एवं सेविकाओं की तरफ से अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अन्त में राष्ट्रगान के साथ शिविर समापन की घोषणा की।

भारतमाता की जय का नारा लगाते हुए बच्चे अपने–अपने घर को रवाना हुए ललिता टीचर्स टेनिंग इन्स्टीच्यूट के प्राचार्य तथा समस्त शिक्षको के सहयोग के लिए कार्यक्रम अधिकारी ने उनका आभार व्यक्त किया।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलॉ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या प्रस्तुत

समापन दिवस के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण।

समापन सत्र समाप्त होने पर शिविरार्थियो की सामूहिक छवि।

एक दिवसीय
सामान्य शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कलाँ जौनपुर (उ०प्र०)

असतो मा सद्गमय

सामूहिक कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

एड्स दिवस (दिनांक : 01.12.2021)

प्रथम एक दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं आज रघुवीर महाविद्यालय के प्रांगण में एकत्रित हुए। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला के नेतृत्व में आज एड्स दिवस के अवसर पर जागरुकता रैली निकाली गई और घर-घर जाकर लोगो को जानलेवा बीमारी के प्रति जागरुक किया। मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती संजू शुक्ला ने एड्स से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को जागरूक किया। एड्स रोग किन किन कारणों से फैलता है एवं इसका बचाव किस प्रकार किया जा सकता है इसके बारे में बताया। नारे लगाते हुए ग्राम भिखारीपुर एवं थलोई में प्रभातफेरी निकाली गई।

- **आओ मिल कर कसम ये खायें, एड्स को हम सब जड़ से मिटायें।**
- **एड्स है एक जानलेवा बीमारी, इसे मिटाना जिम्मेदारी हमारी।**
- **सुरक्षित बनाएंगे यौन सम्बन्ध,एड्स हो जायेगा जड़ से खत्म।**

उपरोक्त कार्यक्रम से वापस आने पर मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आकाक्षा सिंह, रश्मि सिंह, पूनम विश्वकर्मा, नेहा सरोज, इत्यादि ने कार्यक्रम में सहभागिता दिखाई और कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला के द्वारा उनको प्रोत्साहन प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को मध्याहन भोजन कराया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

एक दिवसीय सामान्य कार्यक्रम आख्या प्रस्तुत

एड्स के बारे में जानकारी देती हुई कार्यक्रम अधिकारी।

एड्स पर निकाली गई जागरुकता रैली।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर आख्या

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

विश्व मृदा दिवस (दिनांक : 05.12.2021)

एक दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत रघुवीर महाविद्यालय परिसर में आज दिनांक 05.12. 2021 को प्रातः 09:00 बजे महाविद्यालय में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन में डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य जी) एवं महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह एवं श्रीमती संजू शुक्ला उपस्थित रही।

विश्व मृदा दिवस, पूरे विश्व में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। प्राचार्य जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मिट्टी की जैव विविधता को सुरक्षित रखनेपर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि मिट्टी को जीवित रखने के लिए एवं उसको प्रदूषित होने से तथा गैर न्यायिक तरीके से रसायनों के उपयोग से बचाया जाए जिससे मृदा में रहने वाले असंख्य जीव एवं मृदा भी जीवित बनी रहे जिससे हम निरंतर टिकाऊ खेती कर सकें। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह ने मृदा स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न खतरो के विषय में कृषको का ध्यान केंद्रित किया साथ ही मृदा को स्वस्थ एवं उर्वरक उत्पादक बनाए रखने के लिए मिट्टी के बेहतर प्रबंधन के लिए विभिन्न बाते बतायी। उन्होंने खेत में जलाए जाने वाले अवशेषों को हतोत्साहित करने एवं जैविक खाद एवं जैविक उर्वरकों के उपयोग साथ ही साथी ही मृदा कटाव रोकने के सम्बन्ध में कृषकों को अवगत कराया।

कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला ने अपने विशेष व्याख्यान में बताया कि पूर्व में मिट्टी के स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान नहीं दिए जाने के कारण मृदा की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है जिसके कारण अब फसलों की उत्पादकता विपरीत रूप से प्रभावित हो रही है अतः मृदा की दशा को सुधारने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए कि मृदा में जीवांश कार्बन एवं जैव विविधता बनी रहे तथा मृदा जीवित बनी रहे और टिकाऊ खेती होती रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण उपस्थित रहे। उसके बाद बच्चों को दर्शन हेतु माता के मंदिर में ले जाया गया। वापस आकर बच्चों ने जलपान किया। तत्पश्चात राष्ट्रगान के लिए सभी बच्चे अपने स्थान पर खड़े हुए। अंत में मुख्य कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

उसके बाद बच्चों को दर्शन हेतु माता के मंदिर में ले जाया गया। वापस आकर बच्चों ने जलपान किया। तत्पश्चात राष्ट्रगान के लिए सभी बच्चे अपने स्थान पर खड़े हुए। अंत में मुख्य कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

एक दिवसीय सामान्य कार्यक्रम आख्या प्रस्तुत

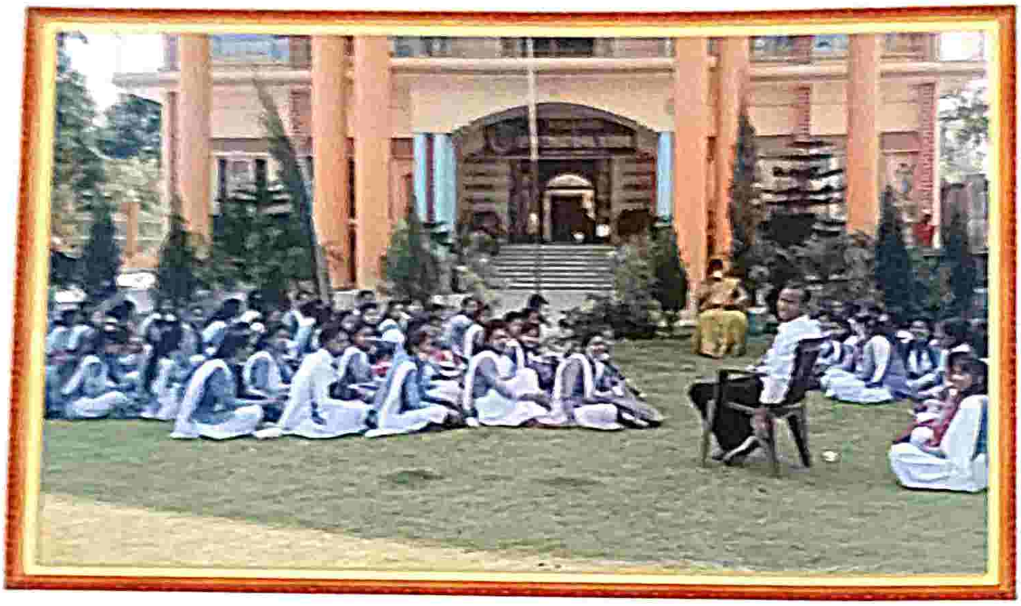

मृदा दिवस पर व्याख्यान सुनने के लिए बैठे हुए शिविरार्थी।

उपरोक्त।

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

गणतंत्र दिवस (दिनांक : 26.01.2022)

एन0एस0एस0 के एकल दिवसीय शिविर के अवसर पर आज गणतंत्र दिवस मनाया गया । प्रातः 09:00 बजे ध्वजारोहण के लिए सभी शिविरार्थी महाविद्यालय के प्रांगण में उपस्थित हुए। रंगोली का आलेखन बनाया गया। आज अतिथि के रुप में आये डॉ0 जय प्रकाश तिवारी, प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 शारदा प्रसाद सिंह, डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह एवं श्रीमती संजू शुक्ला जी उपस्थित रही।

मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश तिवारी के द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात सरस्वती पूजन के बाद दीप प्रज्जवलन का कार्य हुआ। उसके बाद राष्ट्रगान, देशभक्तिगीत का गान हुआ। राष्ट्रगान और भारत माता की जयकारे से समस्त प्रांगण गुजायमान हो गया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी एवं शिक्षकगण महाविद्यालय में स्थित संगोष्ठी हाल में उपस्थित हुए जहाँ पर प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि महाविद्यालय के निदेशक, प्राचार्य बी0टी0सी0 के द्वारा दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की गई। महाविद्यालय के बच्चों द्वारा मां सरस्वती की वंदना, राष्ट्रगीत एवं विभिन्न प्रकार के सांस्कृ तिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राऐं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़–कर हिस्सा लिया। इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य ने समस्त अतिथियों का स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया और साथ ही साथ गणतंत्र दिवस की ढ़ेरों सारी बधाइयां दी। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन हमारे देश का संविधान लागू किया गया जिस पर हमारा देश गर्व करता है। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित जनमानस एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की और यह बताया कि हमारा देश बड़ी ही कठिनाइयों के बाद स्वतंत्र हुआ है और यह स्वतंत्रता हमें बड़ी ही प्यारी है इसे हम कभी भी खोने नहीं देंगे। हमारे देश के सपूतों ने आजादी दिलाने के लिए जो बलिदान दिया है उसकी रक्षा हम बड़ी ही जिम्मेदारी के साथ करेंगे आज हमारा देश पूरे विश्व में

एक मिसाल के तौर पर जाना जाता है जिसका सारा विश्व आदर करता है और वह समस्त देशों के बीच एक चमकते हुए सितारे की भांति प्रकाशित हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष जी के द्वारा गणतंत्र दिवस पर ढ़ेर सारी बातें बताएं बताई गई। उन्होंने बताया कि आज हम सभी अपने देश को जिस ऊंचाइयों पर देख रहे हैं इस स्थान तक पहुंचने के लिए हमने बड़ी कुर्बानियां दी हैं, न जाने कितने ही सपूत इस भारत माता की वेदी पर मर मिटे हैं। अपने बलिदानों से यह धरा स्वतंत्र करके प्रदान की है। आज भारत विरोधी देश हमारी भूमि पर कब्जा जमाना चाहते हैं। हम उन देशों से कहना चाहते हैं कि ना तो हम पहले डरे थे और न आज ही। आज अगर कोई हमें छेड़ेगा तो हम उसे कभी भी माफ नहीं करेंगे। उसका पूरा–पूरा जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सफल नेतृत्व में हमारा देश निरन्त नित्य नई उचाइयों को छू रहा है। अध्यक्ष जी के संबोधन के दौरान राष्ट्रगान हुआ और समस्त लोगों को जलपान कराया गया। आज कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम के पश्चात स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को जलपान कराया गया कार्यक्रम का आयोजन मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विजय कुमार सिंह एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजू शुक्ला के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022
एक दिवसीय सामान्य कार्यक्रम आख्या प्रस्तुत

ध्वजारोहण करते हुए बी0टी0सी0प्राचार्य शारदा प्रसाद सिंह।

ध्वजारोहण उपरान्त रा0से0यो0 गीत गाते
स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं।

रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुर कला, जौनपुर

यातायात जागरुकता कार्यक्रम (दिनांक : 20.02.2022)

आज दिनांक 20.02.2022 को चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 विजय कुमार सिंह ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं सभी को दिन–प्रतिदिन बढ़ती हुई दुर्घटनाओं को देखते हुए यातायात के नियमों का पालन करने के लिए यातायात के नियमों की जानकारी प्रदान किया। साथ ही बताया कि यातायात जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करना आज की बड़ी आवश्यकता है क्योंकि इसमें युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में श्री अशोक सिंह ने यातायात एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी नियमों की बिंदुवार जानकारी देते हुए सभी से यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी सुजानगंज ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से यातायात नियमों, उनसे संबंधित छात्र–छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एवं मोटर व्हीकल एक्ट के विषय में बहुत ही रुचिकर अंदाज में सरल शब्दों में जानकारी दी तथा वाहन चलाने से पूर्व हमें क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए एवं वाहन चलाते समय क्या नहीं करना चाहिए से संबंधित सावधानियों वाला पंपलेट भी छात्र–छात्राओं एवं सभागार में उपस्थित सभी लोगों को वितरित किया।

यातायात जागरुकता कार्यक्रम के बाद सामूहिक रुप से साक्षरता के लिए थपथ भी दिलायी गई। स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने आज के कार्यक्रम में हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सायंकाल अल्पजलपान हुआ, तत्पश्चात कार्यक्रम के समापन की घोषणा हुई। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती संजू शुक्ला के नेतृत्व में संपन्न हुआ एवं आभार ज्ञापन श्री प्रदीप विश्वकर्मा जी ने किया गया। इसी के साथ एक दिवसीय शिविर के समापन की घोषणा हुई। इस अवसर पर अशोक पटेल, अभिषेक तिवारी, शिवानंद चतुर्वेदी एवं महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों को देखने वाले श्री जितेंद्र कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। अन्त में महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने सभी लोगो का आभार व्यक्त किया।

रघुवीर महाविद्यालय
थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना, वार्षिक आख्या प्रस्तुत : 2021-2022

एक दिवसीय सामान्य कार्यक्रम आख्या प्रस्तुत

यातायात जागरुकता रैली का शुभारम्भ करते हुए मा0 प्राचार्य जी।

यातायात जागरुकता रैली में प्रतिभाग करती हुई छात्र–छात्राएं।

रघुवीर महाविद्यालय

थलोई, भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

आख्या प्रस्तुति : 2021-2022

सामाचार पत्रों में प्रकाशित कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से करें राष्ट्र निर्माण : डा0 विनय कुमार त्रिपाठी

सुजानगंज (जौनपुर) /एल० सी० निषाद राष्ट्रीय सेवा योजना के समापन दिवस के अवसर पर रघुवीर महाविद्यालय थलोई जौनपुर के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इससे प्रातः काल थलोई ग्राम सभा में स्थित शंकर जी के मंदिर की साफ सफाई की। इसके उपरांत थलोई प्राथमिक विद्यालय की साफ–सफाई का कार्य किया। पुनः महाविद्यालय में वापस आकर वहां के प्रांगण की साफ –सफाई की । इसके पश्चात बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय से श्री शिवानंद चतुर्वेदी, श्री अमरनाथ श्मोही जी श ने कविता पाठ के माध्यम से स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने इस सप्त दिवसीय एन एस एस के शिविर के समापन के अवसर पर सभी छात्रों एवं कार्यक्रम अधिकारियों को सप्त दिवसीय शिविर के सकुशल संचालित करने की ढेरों सारी बधाइयां दी और बच्चों को राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करने की अपील की। डॉक्टर संतोष कुमार उपाध्याय ने स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा में तत्पर रहने के लिए जागरूक किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने आए हुए समस्त आगंतुकों का एवं स्वयंसेवक एवं स्वयं सेविकाओं का आभार ज्ञापित किया। आए हुए अतिथियों का स्वागत श्रीमती संजू शुक्ला ने किया एवं संचालन का कार्य डॉ0 विजय कुमार सिंह के द्वारा किया गया।इस अवसर पर डॉ अश्वनी कुमार, एम डी गफ्फार, श्री अशोक कुमार पटेल, श्री अभिषेक मणि त्रिपाठी उपस्थित रहे।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में सर्वोदय इंटर कॉलेज लम्भुआ की शालिनी सिंह तथा विज्ञान प्रश्नोत्तरी में अभिनव विद्यालय टिकरी पन्ना की अर्पिता ने बाजी मारी

लम्भुआ /संवाददाता। स्वच्छ पर्यावरण तथा स्वस्थ जीवन प्रबंधन विषय पर वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला विज्ञान क्लब सुल्तानपुर द्वारा सर्वोदय इंटर कॉलेज लम्भुआ में किया गया। जिसमें मुख्य

सभ्य समाज के निर्माण के लिए आगे आएं युवा

जौनपुर।

स्वयंसेवकों की दुकानों से ग्रामीणों ने की खरीदारी

जौनपुर।